AUDIO VIDEO Play

भजन

तर्ज–हमको तुमारे इश्क ने

हमको हमारी भूल ने आकर रुला दिया
छोड़ा है अपने धाम को,माया में भुला दिया

1– आये थे खेल देखने खुद खेल बन गए
माया के जाल में हम ऐसे बंध गये
आकर के मेहरबां ने बंधन छुड़ा दिया

2–जिसको न किया याद कभी वो खुद ही आ गये
वाणी सुना के धाम की सशंय मिटा दिए
अंगना समझ के अपनी गले से लगा लिया

3–ब्रह्मा विष्णु महेश जिसको ना पा सके
वेदों में अगम निगम कहते हुए थके
मेरे धनी ने आके निजघर दिखा दिया